Patrika, 05th March 2017, Page - 01

फ्रांस की यूनिवर्सिटीज में तलाशी इंदौरियंस में संभावनाएं

आईआईटी में फ्रांस की 44 यूनिवर्सिटी ने शेयर की इंफोर्मेशन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • कैंपस फ्रांस इंडिया और इंस्टीट्यूट फ्रांसे इंडिया ने शनिवार को आईआईटी इंदौर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें फ्रांस की 44 यूनिवर्सिटी ने स्टूडेंट्स से एडमिशन प्रोसीजर, स्कॉलरशिप, प्लेसमेंट आदि की इंफोर्मेशन शेयर की। 300 स्टूडेंट्स अपने पैरेंट्स के साथ पहुंचे। सभी स्टूडेंट्स के उनकी पसंद की यूनिवर्सिटी के साथ प्री अपॉइंटमेंट फिक्स किए गए थे। वीजा, स्कॉलरशिप, इंट्रोडक्शन टू फ्रांस जैसे सेशन भी हुए।

बचा सकते है 10 लाख रु. : कैंपस फ्रांस इंडिया की हेड वैलेंटाइन ईयूरिन ने बताया, 'फ्रांस में 41 परसेंट फॉरेन के स्टूडेंट्स पढ़ते है। हमारा टारगेट है कि इंडिया से 10 हजार स्टूडेंट्स को फ्रांस भेजा जाए। फ्रांस में कोर्सेस, लेवल्स और फील्ड के लिए 500 स्कॉलरशिप है। यदि स्टूडेंट फ्रेंच में बी-2 लेवल की प्रोफिशियंसी रखते है तो ट्यूशन फीस में 10 लाख तक की बचत की जा सकती है।'

वीजा के आसान नियम

स्टूडेंट्स के वीजा के लिए भी फ्रांस में आसान नियम हैं। स्टूडेंट्स को पहले एक साल का विजा मिलता है और उसे फिर एक साल के लिए एक्टेंड करवाया जा सकता है। एक बार एक्सटेंड करने के बाद 2 साल के लिए एक्सटेंड कर सकते हैं। बाद में स्टूडेंट्स जॉब के मुताबिक वर्किंग वीजा भी ले सकते हैं।

3 साल में पीएचडी

इंडिया में पीएचडी करने में 4-5 साल लग जाते हैं, वही फ्रांस में मात्र तीन साल में पूरी की जा सकती है। इस साल से कैंपस फ्रांस के जरिए इंडियन स्टूडेंट्स को फ्रांस से पीएचडी करने के लिए इनवाइट किया जा रहा है। अभी फ्रांस जाने वाले स्टूडेंट्स में ज्यादा तादाद मास्टर कोर्सेस की रहती है। इसमें भी स्टूडेंट्स बिजनेस स्कूल में एडमिशन लेना ज्यादा पसंद करते है।

काम की छूट

कैंपस फ्रांस, पुणे की मैनेजर रश्मि अरविकर ने बताया, 'फ्रांस में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को गवर्नमेंट की ओर से हाउसिंग के खर्च के 30% हिस्से को रीइम्बर्स किया जाता है। इस कारण स्टूडेंट्स का रहने का खर्च कम आता है। इसके साथ स्टूडेंट्स वीजा पर 1 हफ्ते में 20 घंटे काम करने की छूट भी दी जाती है।